माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

वर्ष 2018 24 पृष्ठीय

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे ↓

| परीक्षा का विषय | विषय कोड | परीक्षा का माध्यम |
|---|---|---|
| P.C.M.B. | 4 1 0 | हिन्दी |

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे →

क्रमांक A- 0517054

परीक्षार्थी का रोल नम्बर

अंकों में

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| — | 2 | 8 | 1 | 6 | 3 | 2 | 8 | 9 | 0 |

शब्दों में

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| — | दो | आठ | एक | छः | तीन | दो | आठ | नौ | शून्य |

| उदाहरणार्थ | 1 | 1 | 2 | 4 | 3 | 9 | 5 | 6 | 8 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | एक | एक | दो | चार | तीन | नौ | पांच | छः | आठ |

केन्द्राध्यक्ष / सहायक केन्द्राध्यक्ष एवं पर्यवेक्षक द्वारा भरा जावे →

क :— पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या अंकों में X शब्दों में X

ख :— परीक्षार्थी का कक्ष क्रमांक 02

ग :— परीक्षा का दिनांक 15 03 2018

परीक्षा का नाम एवं परीक्षा केन्द्र क्रमांक की मुद्रा

हायर सेकेंडरी परीक्षा केन्द्र क्रमांक 162001

| पर्यवेक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर | केन्द्राध्यक्ष / सहायक केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर |
|---|---|
| 15/3/18 सुमन यादव | |

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे ↓

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे →

प्रमाणित किया जाता है कि मूल्यांकन के समय पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या उपरोक्तानुसार सही पाई होलो क्राफ्ट स्टीकर क्षतिग्रस्त नहीं पाया गया तथा अन्दर के पृष्ठों के अनुरूप मुख्य पृष्ठ पर अंकों की प्रविष्टि एवं अंकों का योग सही है।

निर्धारित मुद्रा : नाम, पदनाम, मोबाईल नम्बर, परीक्षक क्रमांक एवं पदांकित संस्था के नाम की मुद्रा लगाएं।

| उप मुख्य परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा | परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा |
|---|---|
| D.K. Choudh ry 71V0472 | ALKA MISHRA 71V0592 |

केवल परीक्षक द्वारा भरा जावे।

प्रश्न क्रमांक के सम्मुख प्राप्तांकों की प्रविष्टि करें।

| प्रश्न क्रमांक | पृष्ठ क्रमांक | प्राप्तांक (अंकों में) |
|---|---|---|
| 1 | | |
| 2 | | |
| 3 | | |
| 4 | | |
| 5 | | |
| 6 | | |
| 7 | | |
| 8 | | |
| 9 | | |
| 10 | | |
| 11 | | |
| 12 | | |
| 13 | | |
| 14 | | |
| 15 | | |
| 16 | | |
| 17 | | |
| 18 | | |
| 19 | | |
| 20 | | |
| 21 | | |
| 22 | | |
| 23 | | |
| 24 | | |
| 25 | | |
| 26 | | |
| 27 | | |

अंकों में

3

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 3 के अंक = कुल अंक

मध्यप्रदेश

EDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION

न क्र.

उत्तर - 1

(i) न्यूटन ।
(ii) मैग्नेटाइट ।
(iii) 1
(iv) 37° सेन्टीग्रेड ।
(v) विकिरण ।

उत्तर - 2

(i) ~~ऊष्माक्षेपी~~ । ऊष्माक्षेपी
(ii) 25 से 35° C ।
(iii) द्रव ।
(iv) वसा में ।
(v) हरितलवक ।

P.T.O.

④ [ ] + [ ] = [ ]

योग पूर्व पृष्ठ　　पृष्ठ 4 के अंक　　कुल अक

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

उत्तर ⇒ 3

(i) सूक्ष्मजीविकी ⇒ ल्यूवेनहॉक
(ii) जीन चिकित्सा ⇒ आनुवंशिक इंजीनियरिंग
(iii) रेशम कीट ⇒ बॉम्बिक्स मोराई
(iv) लाख कीट ⇒ लेसीफर लैका
(v) हीरो सूत्र ⇒ त्रिभुज

B
S
E

उत्तर ⇒ 5

(i) सत्य
(ii) असत्य
(iii) सत्य
(iv) सत्य
(v) सत्य

5

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 5 के अंक = कुल अंक

मध्यप्रदेश

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

उत्तर ⇒ 5

उत्तल लेंस ⇒ (1) ये लेंस किनारे पर पतले तथा बीच में मोटे होते है।
(2) इनका प्रयोग प्रयोगशाला में रीडिंग लेंस के रूप में होता है।
(3) दूर दृष्टि दोष के निवारण में।
(4) उत्तल लेंस प्रकाश की किरणों अपसरित नही करता है।

उत्तर ⇒ 6

चुम्बक का चुम्बकत्व नष्ट होने के कारण निम्न है।
(1) चुम्बक को गर्म करने पर।
(2) चुम्बक को पीटने पर।
(3) चुम्बक को गिराने पर।
(4) चुम्बक को घिसने पर।
(5) चुम्बक को अकेला छोड़ देने पर चुम्बक को चुम्बकत्व समाप्त हो जाता है।

P.T.O.

6

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 6 के अंक = कुल अंक

BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL

प्रश्न क्र.

उत्तर ⇒ 7

किण्वन के उपयोग निम्न है:

(1) ऐल्कोहॉल बनाने मे ⇒ गन्ने के रस से सिरका प्राप्त होता है इस सिरके के किण्वन द्वारा ऐल्कोहॉल बनाया जाता है। इसके अतिरिक्त स्टार्च एवं फलो के रसो के द्वारा भी ऐल्कोहॉल बनाया जाता है।

(2) ग्लिसरॉल बनाने मे ⇒ एल्कोहॉलीय विलयन मे $Na_2SO_3$ डाल देने पर ग्लिसरॉल प्राप्त होता है।

(3) दूध से दही बनाने मे ⇒ दूध से दही बनाने मे किण्वन क्रिया होती है।

(4) बेकरी उत्पाद मे ⇒ ब्रेड आदि मे खमीर उठाया जाता है, इसका अर्थ किण्वन से होता है।

B
S
E

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

न क्र.

उत्तर → 8 (OR)

दिया है
वृत की त्रिज्या = 7 सेमी
वृत का क्षेत्रफल = ?

वृत का क्षेत्रफल = ~~πr²~~

$= \frac{22}{7} \times (7)^2$

$= \frac{22}{7} \times 7 \times 7$

= 154 वर्ग सेमी

अतः वृत का क्षेत्रफल 154 वर्ग सेमी. होगा।

P.T.O.

8 योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 8 के अंक = कुल अंक

SECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION

प्रश्न क्र.

उत्तर → 9

सजातीय श्रेणी की विशेषताएँ → (1) इस श्रेणी का प्रत्येक सदस्य एक दूसरे का 'सजात' कहलाता है। तथा यह अपने अगले और पिछले सदस्य से $CH_2$ का समान अंतर रखता है।

(2) दो क्रमिक सदस्यों के अणुभार में 14 का अंतर पाया जाता है जैसे $CH_3OH$ के अणुभार क्रमशः 32 और 46 $C_2H_5OH$ है। इनका अणुभार अंतर 14 है।

(3) श्रेणी के प्रत्येक सदस्य को एक सामान्य सूत्र द्वारा प्रदर्शित किया जाता है जैसे एल्किल का सामान्य सूत्र $C_nH_{2n+1}$ है

(4) श्रेणी के सदस्यों के रासायनिक गुण आपस में मिलते जुलते है क्योंकि इनमें समान क्रियात्मक समूह होता है।

(5) श्रेणी के सभी सदस्यों को कुछ सामान्य अभिक्रियाओं द्वारा बनाया जा सकता है।

B
S
E

9

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 9 के अंक = कुल अंक

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

क्र.

उत्तर → 10

गोबर गैस संयंत्र से लाभ → ① गोबर गैस या ईंधन गैस की प्राप्ति होती है, यह गैस खाना बनाने डीजल इंजन चलाने रोशनी करने एवं बिजली पैदा करने में किया जाता है।

② गोबर गैस की सहायता से कृषि यंत्रो को चलाया जाता है, जिससे कृषि कार्य किये जाते हैं।

③ गोबर गैस संयंत्र से निकला गोबर अच्छा खाद होता है। इसमें 1.5 % नाइट्रोजन इसके अलावा 10 % फॉस्फोरस, 10 % पोटाश एवं अन्य आवश्यक तत्व सूक्ष्म मात्रा में होते हैं।

④ एलपीजी और सीएनजी गैस का प्रयोग आजकल गाड़ियों में किया जाने लगा है इनका प्रयोग पेट्रोल व डीजल की अपेक्षा सस्ता होता है। एलपीजी और सीएनजी गैस गोबर गैस का ही विकल्प है।

P. T. O.

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION

प्रश्न क्र.

उत्तर ⇒ 11

कुल – ग्रैमिनी के पौधे

| सामान्य नाम | वानस्पतिक नाम |
| --- | --- |
| 1. गेहूँ | ट्रिटिकम ऐस्टीवम |
| 2. मक्का | जिया मेज |
| 3. धान | ओराईजा सटाइवा |
| 4. बाजरा | पेनीसीटियम टाइफोडियम |
| 5. कॉस | सेकेरम स्पोन्टेनियम |
| 6. बाँस | बॉम्बेक्स वूला |
| 7. गन्ना | सेकेरम ऑफसीनेरम |

B S E

11

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 11 के अंक = कुल अंक

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

| उत्तर ⇒ 12 |

सोलेनेशी कुल का आर्थिक महत्व निम्न है:
खाद्य पदार्थ के रूप में —

(1) आलू (सोलेनम ट्यूबरोसम) ⇒ आलू के कन्दों का प्रयोग सब्जी के रूप में तथा विभिन्न प्रकार के व्यंजन बनाने में किया जाता है।

(2) बैंगन (सोलेनम मेलोंजना) ⇒ बैंगन के फल सब्जी के रूप में प्रयोग किए जाते है। इसके अलावा मधुमेह के रोगियों के लिए भी लाभदायक होता है इसमें प्रचुर मात्रा में आयोडीन होता है।

(3) टमाटर (लाइकोपर्सिकम एस्कुलेन्टम) ⇒ टमाटर के फल सब्जी, सलाद सॉस और चटनी आदि निर्माण में किया जाता है।

मसालों के रूप में ⇒

(1) मिर्च (कैप्सिकम एनम) ⇒ मिर्च के सूखे फल मसाले के रूप में एवं हरे फल अचार के रूप में प्रयोग किया जाते है।

P. T. O.

SECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARY

प्रश्न क्र.

शोभाकारी पौधे ⇒

(1) रात की रानी (सेस्ट्रम नोक्टुर्नम)
(2) दिन का राजा (सेस्ट्रम ड्यूरम)

इन पौधों का उपयोग उद्यानों की शोभा बढ़ाने में किया जाता है।

उद्योगों में प्रयुक्त पौधे ⇒

(1) तम्बाकू (निकोटियाना टैबेकम) ⇒ तम्बाकू के पौधों की पत्तियों का उपयोग बीड़ी, सिगरेट उद्योग में किया जाता है।

औषधीय महत्व ⇒

(1) बेलाडोना (एट्रोपा बेलाडोना) ⇒ बेलाडोना से एट्रोपिन प्राप्त होता है, जिससे बेलाडोना नामक दवाई बनाई जा सकती है।

(2) अश्वगंधा (विथानिया सोम्नीफेरा) ⇒ अश्वगंधा के बीज अत्यंत विषैले होते हैं इसकी जड़ का उपयोग खाँसी एवं गठिया रोग के उपचार में किया जाता है।

BSE

BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYAPRADESH, BHOPAL

क्र.

उत्तर ⇒ 13

विद्युत बल रेखाओं के गुण निम्न है:

(1) विद्युत बल रेखाऐं धनावेश से प्रारम्भ होती है और ऋणावेश पर समाप्त हो जाती है।

(2) विद्युत बल रेखा के किसी बिन्दु पर खींची गई स्पर्श रेखा उस बिन्दु पर परिणामी क्षेत्र की दिशा को प्रदर्शित करती है।

(3) दो विद्युत बल रेखाऐं कभी एक-दूसरे को नही काटती है।

(4) विद्युत बल रेखाऐं हमेशा किसी चालक से लम्बवत निकलती है और लम्बवत ही समाप्त होती है।

(5) किसी स्थान पर विद्युत बल रेखाओं की सघनता विद्युत क्षेत्र की तीव्रता के अनुक्रमानुपाती होती है।

(6) विद्युत बल रेखाऐं खिंची हुई लचकदार डोरी के लम्बाई में सिकुड़ने का प्रयास करती है इसी कारण विपरीत प्रकृति के आवेशों में आकर्षण होता है।

(7) विद्युत बल रेखाऐं अपनी लम्बाई के लम्बवत दिशा में दूर हटने का प्रयास करती है। इसी कारण समान प्रकृति के आवेशों में प्रतिकर्षण होता है।

P. T. O.

14 | योग पृ. पृष्ठ + पृष्ठ 14 के अंक = कुल अंक

मध्यप्रदेश

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

उत्तर ⇒ 15 (OR)

| मुलायम साबुन | कठोर साबुन |
|---|---|
| (1) अच्छी किस्म के तेल और वसाओं से बनाये जाते है। | (1) सस्ती किस्म के तेल और वसाओं से बनाये जाते है। |
| (2) इनमे मुक्त क्षार नही होता है। | (2) इसमें मुक्त क्षार होता है। |
| (3) अच्छी किस्म की सुगंध और औषधियों से बनाये जाते है। | (3) इनमें अच्छी किस्म की सुगंध नही होती है। |
| (4) इनमें पूरक पदार्थ नही मिले होते है | (4) इनमे पूरक पदार्थ मिले होते है। |
| (5) ये उच्चवसा और तेल एवं KOH से बनाये जाते है। | (5) ये निम्न कोटि के तेल एवं NaOH से बनाये जाते है। |
| (6) इनका उपयोग नहाने के साबुन के रुप में होता है। | (6) इनका उपयोग कपड़े धोने के साबुन के रुप में प्रयोग होता है। |

B S E

15

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 15 क अंक = कुल अंक

प्रश्न क्र.

उत्तर ⇒ 15

प्रोटीन्स के कार्य ⇒

(1) प्रोटीन नए तन्तुओं के निर्माण में एवं कोशिकाओं की मरम्मत में।

(2) एन्जाइम का निर्माण प्रोटीन के द्वारा होता है।

(3) टूटे - फूटे ऊतकों की मरम्मत में।

(4) कार्बोहाइड्रेट और वसा की अनुपस्थिति में शरीर को ऊर्जा प्रदान करते है।

(5) प्रोटीन अमीनो एसिड का निर्माण करते है।

(6) प्रोटीन शरीर में रोगनिवारण क्षमता पैदा करते है।

(7) प्रोटीन जन्तुओं की मानसिक शक्ति को बढ़ाते है।

P.T.O.

16 | योग पूर्व पृष्ठ | पृष्ठ 16 के अंक | कुल अंक

SECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDA

प्रश्न क्र. 5

उत्तर → 16

मेण्डल की सफलता के कारण —

(1) मेण्डल ने एक समय में केवल एक ही लक्षण की वंशागति का अध्ययन किया।

(2) मेण्डल ने अपने प्रयोगों को सावधानीपूर्वक सम्पन्न करते हुए प्रयोगों का पूरा रिकॉर्ड रखा।

(3) मेण्डल ने ऐसे पौधे को अध्ययन के लिए चुना जो आनुवांशिक रूप से शुद्ध था।

(4) मेण्डल ने प्रत्येक पीढ़ी में किसी भी लक्षण के दोनों विपरीत लक्षणों का स्पष्ट उल्लेख किया।

(5) गणित का अच्छा ज्ञान होने के कारण वे विरोधी लक्षणों के अनुपात के महत्व की स्पष्ट विवेचना कर सके।

(6) उन्होंने अपने प्रयोगों का $F_2$ से $F_3$ पीढ़ी तक अध्ययन किया।

B
S
E

(17) [ ] + [ ] = [ ]

योग पूर्व पृष्ठ   पृष्ठ 17 के अंक   कुल अंक

BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL

क्र.

उत्तर ⇒ 17

समान्तर माध्य की गुण निम्न है:

(1) समान्तर माध्य को सरलता से समझा जा सकता है।

(2) इसे ज्ञात करने मे समस्त आँकड़ो का प्रयोग होता है।

(3) इसकी गणना अत्यन्त सरल है।

(4) इसका अस्तित्व सदैव रहता है।

(5) यह अन्य माध्यो जैसे माध्यिका, बहुलक की तुलना मे अधिक विश्वनीय होता है।

(6) इसका मान एक और केवल एक होता है अतः यह अद्वितीय परिभाषित है।

P. T. O.

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

उत्तर → 18 (OR)

फसल को पाले से बचाने के उपाय निम्न है:

(1) अधिक पाले की आशंका वाले स्थानों पर फसलों में सिंचाई कर देनी चाहिए।

(2) फसलों को पाला अवरोधी किस्मे जैसे गन्ने को Co1-510 लगाना चाहिए।

(3) पौध अवस्था वाली फसल को पुआल आदि से ढँककर रखना चाहिए।

(4) पहाड़ो पर पौधे ढाल पर लगाना चाहिए।

(5) पौधो के आसपास वायुमण्डलीय दाब बढ़ाने हेतु धुआँ करना चाहिए।

(6) पौधो को अलग-अलग रूप से या एक साथ ऊष्मारोधी पदार्थ जैसे कपड़ा आदि को ढक दिया जाता है। जिससे उनसे विकिरण द्वारा ऊष्मा को हानि कम हो पाती है और पौधो का तापमान अधिक नही गिर पाता और फसल पाले से बच जाती है।

(7) पौधो के ऊपर छिड़काव द्वारा पानी की एक परत बना दी जाती है जब यह पानी ठण्डा होता है तो इससे प्राप्त ऊष्मा पौधों को मिल जाती है और पौधो का तापमान नही गिर पाता है, और फसल पाले से बच जाती है।

B S E

19

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 19 के अंक = कुल अंक

EDUCATION, MADHYAPRADESH, BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYAPRADESH, BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYAPRADESH, BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYAPRADESH, BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYA

क्र.

उत्तर ⇒ 19

| ऑक्सीश्वसन | अनाक्सीश्वसन |
|---|---|
| (1) यह क्रिया ऑक्सीजन की उपस्थिति में होती है। | (1) यह क्रिया ऑक्सीजन की अनुपस्थिति में होती है। |
| (2) इस क्रिया में ग्लूकोज का पूर्ण ऑक्सीकरण होता है। | (2) इस क्रिया में ग्लूकोज का अपूर्ण ऑक्सीकरण होता है। |
| (3) इस क्रिया में ऑक्सीकरण के पश्चात $CO_2$ एवं जल बनता है। | (3) इस क्रिया मे ऑक्सीकरण के पश्चात $CO_2$ एवं एथिल ऐल्कोहॉल बनता है। |
| (4) इस क्रिया में ग्लूकोज के ऑक्सीकरण के पश्चात 38 अणु ATP बनते हैं। | (4) इस क्रिया में 2 अणु ATP के उत्पन्न होते हैं। |
| (5) यह क्रिया जीवद्रव्य तथा माइट्रोकॉन्ड्रिया दोनों में सम्पन्न होती है। | (5) यह क्रिया केवल जीवद्रव्य में ही सम्पन्न होती है। |
| (6) यह क्रिया सभी उच्च वर्गीय जन्तुओं में होती है। | (6) यह क्रिया अंकुरित होते हुए बीजों आदि पर होती है। |

P. T. O.

20

योग पूर्व पृष्ठ | पृष्ठ 20 के अंक | कुल अंक

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

उत्तर ⇒ 20

सारणीयन ⇒ सारणीयन वह प्रक्रम है जिसमें आँकड़ो को स्तम्भो तथा पंक्तियों में व्यवस्थित रूप से रखा जाता है ताकि उसे दो दिशाओं में पढ़ा जा सके और उसे देखते ही उसके विशेषताऐं एवं मुख्य लक्षण प्रकट हो जाए 'सारणीयन' कहलाता है।

B S E

सावधानियाँ ⇒

(1) सारणी संख्या ⇒ प्रत्येक सारणी की संख्या सबसे ऊपर लिखी जानी चाहिए।

(2) शीर्षक ⇒ सारणी का शीर्षक संक्षिप्त, स्पष्ट और स्वंय परिचायक होना चाहिए।

(3) स्तम्भ तथा पंक्ति ⇒ स्तम्भो तथा पंक्तियों की संख्या सारणीयन के उद्देश्य एवं प्रस्तुत तथ्यों को ध्यान में रखकर निश्चित की जानी चाहिए।

(4) आकार ⇒ सारणी का आकार न तो बहुत बड़ा होना चाहिए न ही बहुत छोटा हो।

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

(5) उपशीर्षक / अनुशीर्षक ⇒ प्रत्येक स्तम्भों और पंक्तियों के अलग - अलग उपशीर्षक दिए जाने चाहिए।

(6) माप की इकाई ⇒ सारणी में माप की इकाई का स्पष्ट रूप से उल्लेख किया जाना चाहिए।

(7) आकर्षक रूप ⇒ सारणी स्पष्ट, स्वच्छ तथा आकर्षक एवं कलात्मक होनी चाहिए।

(8) तुलनात्मक प्रस्तुतीकरण ⇒ आँकड़ो का सारणी में प्रस्तुतिकरण इस प्रकार होना चाहिए की उनमें परस्पर तुलना आसानी से की जा सके।

(9) टिप्पणी ⇒ यदि आँकड़ो से संबंधित कोई विशेष सूचना देनी हो तो उसे सारणी के नीचे टिप्पणी के रूप में दिया जाना चाहिए

(10) योग ⇒ आँकड़ो के योगफलों और कुल योग के लिए सारणी में अवश्य स्थान छोड़ना चाहिए।

B
S
E